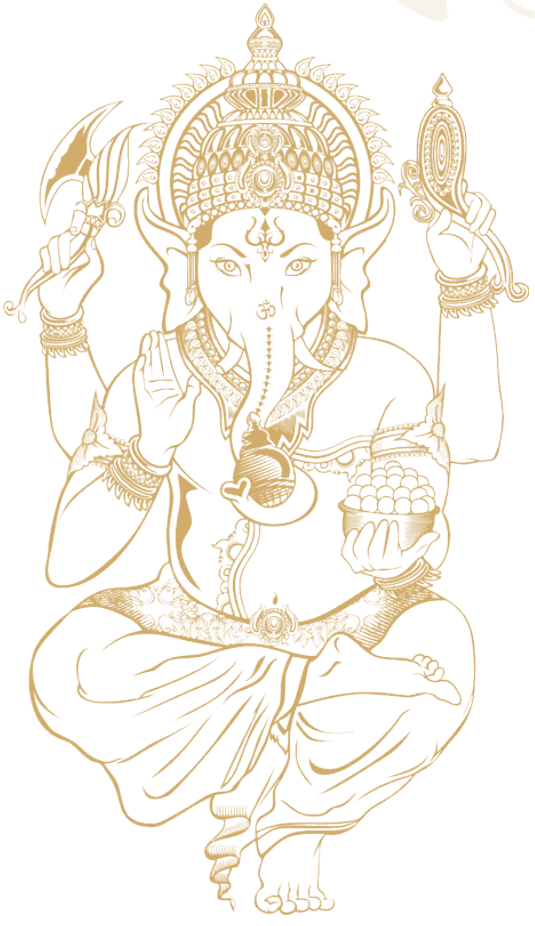

Agya Devi

23 Aug 2009

03:50 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121572205

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/08/2009**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:50:00 घंटे**
इष्ट	54:38:27 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:19:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	01:24:52 घंटे
सूर्योदय	05:58:37 घंटे
सूर्यास्त	19:07:34 घंटे
दिनमान	13:08:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:57:04 सिंह
लग्न के अंश	08:13:20 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:13:20	300:14:36	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	05:57:04	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	10:14:12	14:10:22	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	04:13:15	00:38:31	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	03:11:28	01:01:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु	व		मक	27:00:33	00:07:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	01:33:28	01:11:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	27:49:30	00:07:08	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मक	05:54:57	00:04:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	05:54:57	00:04:25	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	01:37:06	00:02:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	00:56:27	00:01:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	06:45:46	00:00:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			मीन	28:56:30	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:46

लग्न-चलित

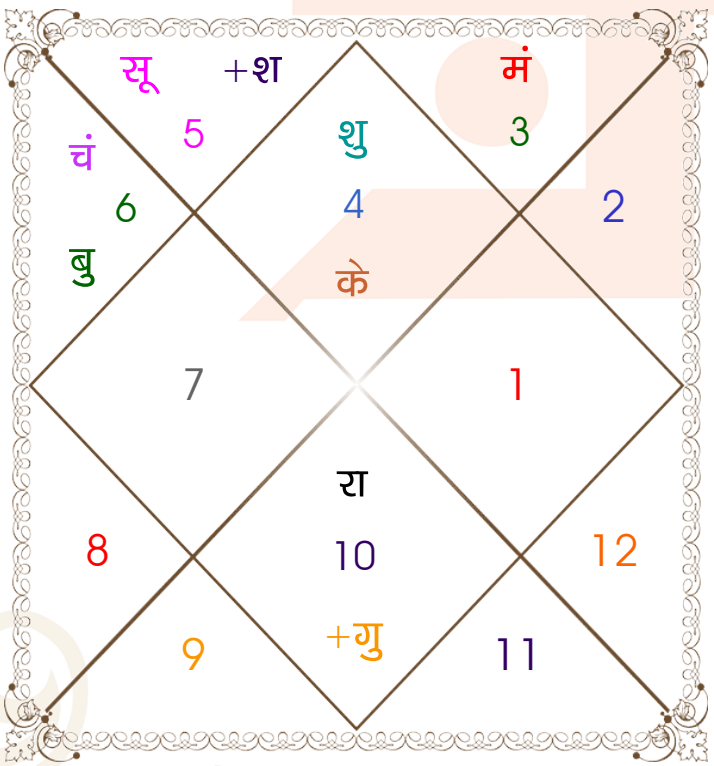

चन्द्र कुंडली

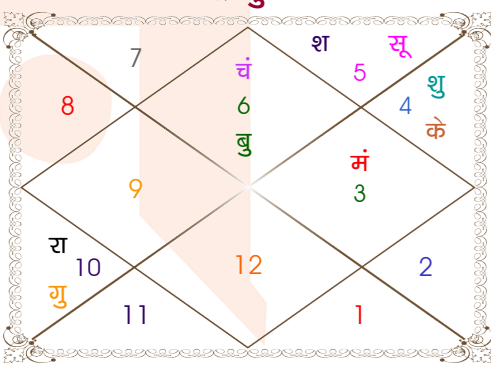

नवमांश कुंडली

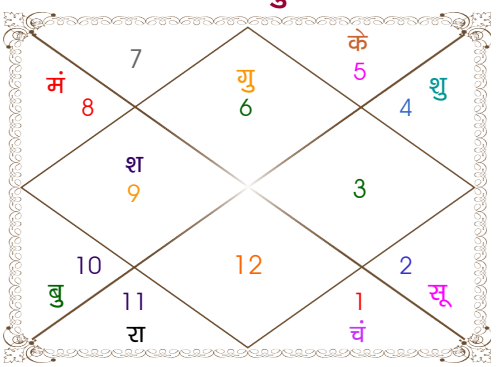

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 9 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/08/2009		19/06/2019		19/06/2026		19/06/2044		19/06/2060	
19/06/2019		19/06/2026		19/06/2044		19/06/2060		19/06/2079	
चंद्र	19/04/2010	मंगल	15/11/2019	राहु	01/03/2029	गुरु	07/08/2046	शनि	22/06/2063
मंगल	18/11/2010	राहु	03/12/2020	गुरु	26/07/2031	शनि	17/02/2049	बुध	01/03/2066
राहु	19/05/2012	गुरु	09/11/2021	शनि	01/06/2034	बुध	26/05/2051	केतु	10/04/2067
गुरु	18/09/2013	शनि	19/12/2022	बुध	18/12/2036	केतु	01/05/2052	शुक्र	10/06/2070
शनि	19/04/2015	बुध	16/12/2023	केतु	06/01/2038	शुक्र	31/12/2054	सूर्य	23/05/2071
बुध	18/09/2016	केतु	13/05/2024	शुक्र	05/01/2041	सूर्य	19/10/2055	चंद्र	21/12/2072
केतु	19/04/2017	शुक्र	13/07/2025	सूर्य	30/11/2041	चंद्र	17/02/2057	मंगल	30/01/2074
शुक्र	19/12/2018	सूर्य	18/11/2025	चंद्र	01/06/2043	मंगल	24/01/2058	राहु	06/12/2076
सूर्य	19/06/2019	चंद्र	19/06/2026	मंगल	19/06/2044	राहु	19/06/2060	गुरु	19/06/2079

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/06/2079		19/06/2096		20/06/2103		20/06/2123		20/06/2129	
19/06/2096		20/06/2103		20/06/2123		20/06/2129		00/00/0000	
बुध	15/11/2081	केतु	15/11/2096	शुक्र	20/10/2106	सूर्य	08/10/2123	चंद्र	24/08/2129
केतु	12/11/2082	शुक्र	15/01/2098	सूर्य	20/10/2107	चंद्र	08/04/2124		00/00/0000
शुक्र	12/09/2085	सूर्य	23/05/2098	चंद्र	20/06/2109	मंगल	13/08/2124		00/00/0000
सूर्य	20/07/2086	चंद्र	22/12/2098	मंगल	20/08/2110	राहु	08/07/2125		00/00/0000
चंद्र	19/12/2087	मंगल	20/05/2099	राहु	20/08/2113	गुरु	26/04/2126		00/00/0000
मंगल	15/12/2088	राहु	07/06/2100	गुरु	20/04/2116	शनि	08/04/2127		00/00/0000
राहु	05/07/2091	गुरु	14/05/2101	शनि	20/06/2119	बुध	13/02/2128		00/00/0000
गुरु	09/10/2093	शनि	23/06/2102	बुध	20/04/2122	केतु	20/06/2128		00/00/0000
शनि	19/06/2096	बुध	20/06/2103	केतु	20/06/2123	शुक्र	20/06/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।